

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKAE-182

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.ए.ई.-182 : संस्कृत साहित्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) इस प्रश्न-पत्र में कुल छः प्रश्न हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

6×2=12

(क) गताऽनुगतिको लोकः कुट्टनीमुपदेशिनीम्।

प्रमाणयति नो धर्मे यथा गोघ्नमपि द्विजम्॥

अथवा

मातृवत् परदारेषु परद्रव्येषु लोष्ठवत्।

आत्मवत् सर्वभूतेषु यः पश्यति स पण्डितः॥

C-2191/BSKAE-182

P. T. O.

(ख) मूर्खशिष्योपदेशेन दुष्टस्त्रीभरणेन च ।

दुःखितैः सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति ॥

अथवा

दुष्टा भार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायकः ।

ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न संशयः ॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए :

8×2=16

(क) माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम् ।

कार्यकारणातश्चाऽन्ये भवन्ति हितबुद्धयः ॥

अथवा

यस्य मित्रेण सम्भाषो यस्य मित्रेण संस्थितिः ।

यस्य मित्रेण संलापस्ततो नास्तीह पुण्यवान् ॥

(ख) यस्मिन् देशे न सम्मानो न वृत्तिर्न बान्धवाः ।

न च विद्यागमः कश्चित् तं देशं परिवर्जयेत् ॥

अथवा

लोकयात्रा भयं लज्जा दाक्षिण्यं त्यागशीलता ।

पञ्च यत्र न विद्यन्ते न कुर्यात् तत्र संस्थितिम् ॥

[3]

3. हितोपदेश के अनुसार 'लालच बुरी बला है' को अपने शब्दों में समझाइए। 20

अथवा

चाणक्य नीति के अनुसार 'त्यागने योग्य और अविश्वसनीय मित्र' के क्या लक्षण होते हैं ?

4. प्रश्न संख्या 1 में रेखांकित किन्हीं छः शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। $6 \times 2 = 12$
5. आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए। 20

अथवा

नीतिकाव्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$10 \times 2 = 20$

(क) पञ्चतन्त्र

(ख) कथासरित्सागर

(ग) हितोपदेश

(घ) चाणक्य नीति

× × × × ×